सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 288 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 29 नवम्बर, 2022

मूल्य ₹ 3/-

ईश्वर ने हमें जन्म दिया है ताकि हम संसार में अच्छे काम करें और बुराई को दूर करें।

-गुरु गोबिंद सिंह

अखिलेश के क़रीब आते ही शिवपाल... 7 | मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव के... 3 | इस बार हमें सोच समझकर वोट... 2

गुजरात में भाजपा 130 से ऊपर गयी तो गडकरी और राजनाथ सिंह के भविष्य पर खड़े होंगे सवाल

- गुजरात का चुनाव तय करेगा भाजपा के दिग्गजों का भविष्य
- भाजपा 100 के आसपास रही तो मुश्किलें खड़ी होंगी मोदी और शाह के लिए
- भाजपा 130 से आगे गई तो मोदी के विरोधियों के भविष्य पर खड़ा होगा संकट

संजय शर्मा

नई दिल्ली। गुजरात का चुनाव सिर्फ विपक्ष के लिए ही नहीं बल्कि भाजपा की अंदरूनी राजनीति के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण होता जा रहा है। अगर भाजपा 130 से आगे निकलती है तो यह माना जाएगा कि मोदी और शाह का जादू अभी भी बरकरार है और उनको चुनौती देने वाला कोई नहीं है। वहीं अगर भाजपा 100 के नीचे रहती है तो फिर भाजपा में मोदी विरोधी खेमा सक्रिय होगा और 2024 में मोदी और शाह के लिए संकट खड़ा हो सकता है। यही कारण है कि गुजरात चुनाव जीतने के लिए मोदी और शाह ने दिन-रात एक कर दिया है।

यह बात सभी जानते हैं कि 2014 के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने बोलने की हिम्मत किसी भाजपा नेता की नहीं है। दूसरे शब्दों में यह भी कहा जा सकता है कि मोदी एक तानाशाह की तरह भाजपा संगठन और सरकार दोनों चला रहे हैं जहां पर मोदी के खिलाफ कुछ बोलना मतलब पार्टी के अंदर अपनी हैसियत खत्म करना है। नितिन गडकरी ने कई बार सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने शुरू किये तो उन्हें भाजपा की संसदीय बोर्ड से ही बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। राजनाथ सिंह मौके की नजाकत को समझते हैं लिहाजा वे संतुलन बना कर राजनीति करते रहे हैं। मगर पिछले दिनों जिस तरह राजनाथ सिंह ने नेहरू की तारीफ की उसमें मोदी कैम्प नाराज हुआ है। 4पीएम के यूट्यूब चैनल के संग बातचीत करते हुए देश के चर्चित पत्रकार अशोक वानखेड़े ने कहा कि अगर भाजपा 135 सीटों से आगे निकलेगी तो गडकरी और राजनाथ सिंह का टिकट ही कट जाएगा। जाहिर है अशोक वानखेड़े की बात भाजपा की राजनीति पर कई मायनों में सही साबित होती है। ऐसे में गुजरात का चुनाव मोदी और गडकरी कैम्प के लिए बहुत चौंकाने वाले परिणाम लेकर आने वाला है।

अब गुजरात की राजनीति पर चर्चा 4पीएम गुजरात यूट्यूब चैनल पर रोजाना रात 9:15 बजे

संघ क्या करेगा इस पर टिकी है सभी की निगाहें

गुजरात चुनाव में संघ की भूमिका पर भी सबकी निगाहें टिकी है। पिछले दिनों लगातार यह चर्चा हुई कि संघ इस बात से बहुत बेचैन है कि आम जनता में यह मैसेज जा रहा है कि मोदी संघ से बड़े हो गये है। संघ हमेशा कहता रहा है कि व्यक्ति से संगठन बड़ा होता हैं। ऐसे में सभी की निगाह इस बात पर टिकी है कि कहीं संघ गुजरात में खेला न कर दे।

मोदी को रावण कहकर फंसी कांग्रेस

भाजपा ने कहा यह पूरे गुजरात का अपमान

- भाजपा इंतजार कर रही थी मोदी के उपर ऐसे कमेंट का
- मणिशंकर अय्यर के एक बयान ने बदल दी थी गुजरात चुनाव की तस्वीर
- मधुसूदन मिस्त्री के मोदी को औकात दिखाने के बयान से हुआ था भाजपा को फायदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए आज प्रचार का आखिरी दिन है। इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दिए बयान से घमासान मच गया है।

दरअसल गुजरात में एक रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने पीएम मोदी के चेहरे पर भाजपा के वोट मांगने को लेकर तंज कसा। उन्होंने कहा कि मोदी हर चुनाव में दिख जाते हैं, क्या उनके रावण की तरह 100 सिर हैं? खरगे के इस बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है। खरगे के बयान पर भाजपा हमलावर हो गई है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, पीएम मोदी को रावण कहना घोर अपमान है। मल्लिकार्जुन खरगे ने पूरे गुजरात का अपमान किया है। भाजपा को इस बयान से फायदा मिलता नजर आ रहा है। पिछले चुनाव में मणिशंकर अय्यर, मधुसूदन मिस्त्री के बयान कांग्रेस के लिए घाटे का सौदा साबित हुए थे।

पीएम पर विवादित टिप्पणी करने वाले कांग्रेस सुप्रीमो मल्लिकार्जुन खरगे

गैंगेस्टरों पर एनआईए ने कसा शिकंजा

- कई राज्यों में छापेमारी के दौरान एक अधिवक्ता और हरियाणा के एक गैंगस्टर को किया गिरफ्तार
- अधिवक्ता के घर से चार हथियार, पिस्तौल, गोला-बारूद बरामद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के चलते गैंगस्टरों के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार सुबह बड़ी कार्रवाई की है। यूपी, पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा सहित अन्य राज्यों में एनआईए ने बड़े पैमाने पर छापेमारी की। बड़े तलाशी अभियान के बाद यहां एक वकील और हरियाणा के एक गैंगस्टर को गिरफ्तार किया।

गैंगस्टर नेक्सस जेल के अंदर और बाहर काम करता है: एजेंसी

एजेंसी ने कहा कि गैंगस्टर नेक्सस जेल के अंदर और बाहर काम करता है और गिरोह के सदस्य विभिन्न प्रकार की आपराधिक और अवैध गतिविधियों को अंजाम देने में गैंगस्टरों और अपराधियों की सक्रिय रूप से सहायता करते हैं। सितंबर में एनआईए ने पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली के साथ-साथ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 52 स्थानों पर तलाशी ली।

भारत और विदेशों में स्थित आतंकवादियों, गैंगस्टरों और ड्रग तस्करों के बीच उभरती सांठगांठ को खत्म करने के उद्देश्य से इन चार राज्यों और दिल्ली में छह से अधिक जिलों में गैंगस्टरों से जुड़े आवासीय और अन्य परिसरों पर छापे मारे जा रहे हैं। यह छापेमारी लारेंस बिश्नोई, नीरज बवाना, टिल्लू ताजपुरिया और गोल्डी बराड़ से जुड़े गिरोह के गठजोड़ पर केंद्रित हैं।

इस बार हमें सोच समझकर वोट करना है: डिंपल यादव

» सुल्तानगंज ब्लॉक के विभिन्न गांवों में मतदाताओं से किया जनसम्पर्क

» कहा, मैंने मैनपुरी को अपना परिवार माना है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी एवं पूर्व सांसद डिंपल यादव ने करहल विधानसभा में विभिन्न जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार हमें सोच-समझकर मतदान करना है। डिंपल ने कहा कि आसपास देखना है कि क्या काम हो रहे हैं, क्या हमें नौकरियां मिल रही हैं। क्या हमारे किसानों को सही कीमत पर रासायनिक उर्वरक मिल रहा है। कहीं किसी का शोषण तो नहीं हो रहा। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए ही सबको मतदान करना है।

सपा सरकार ने इस क्षेत्र में बहुत काम किया

डिम्पल यादव ने कहा कि मैनपुरी नेताज मुलायम सिंह यादव की कर्मभूमि रही है। यहां के हर व्यक्ति से नेताजी का निकट सम्बंध रहा है। समाजवादी पार्टी की सरकार ने इस क्षेत्र में बहुत काम किया है। यहां के लोगों को भाजपा भटका नहीं सकती है। नेताजी को यहां के लोगों ने हमेशा सम्मान दिया है। मैनपुरी के नौजवान, बुजुर्ग तथा महिलाएं नेताजी को कभी नहीं भूलेंगे। डिम्पल यादव ने अहिरवा, नगला दीया गांव में नुक्कड़ सभाएं की। जमथरी, सुल्तानगंज, बिछवां कस्बा, देवगंज, नगला मितकर, हन्नूखेड़ा और बलापुर गांव चौराहे पर ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा यहां के मतदाताओं से हमें बहुत प्यार और सम्मान मिल रहा है। उन्होंने कहा कि नेताजी के आदर्शों और विचारों पर चलकर मैनपुरी के विकास को आगे बढ़ाएंगे।

उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि जिस तरह से ये समाजवादी गढ़ रहा है उसी तरह हम सब मिलके पार्टी को जिताएंगे। मैंने मैनपुरी को अपना परिवार माना है। जहां आप सभी ने नेताजी को सम्मान देने का काम किया वहीं नेताजी ने भी अपना तन-मन-धन सब लगा दिया। उनके मन में हमेशा यही विचार रहते थे कि मैनपुरी का विकास कैसे हो, कैसे हम आखिरी तबके तक सुविधाएं पहुंचा सकें। चाहे वे खेती की मुफ्त सिंचाई हो या अन्य कोई सुविधा। उन्होंने प्रचार अभियान के दौरान भोगांव विधानसभा क्षेत्र में सुल्तानगंज ब्लॉक के विभिन्न गांवों में मतदाताओं से जनसम्पर्क भी किया। डिंपल ने कहा कि मैनपुरी नेताजी की कर्मभूमि रही है। यहां के हर व्यक्ति से उनका निकट सम्बंध रहा है। सपा की सरकार ने इस क्षेत्र में बहुत काम किया है। यहां के लोगों को भारतीय जनता पार्टी भटका नहीं सकती है। नेताजी को यहां के लोगों ने हमेशा सम्मान दिया है। मैनपुरी के नौजवान, बुजुर्ग तथा महिलाएं नेता जी को कभी नहीं भूलेंगे।

सुरक्षा कम होने पर शिवपाल का बयान

'बीजेपी से यही उम्मीद थी, अब जनता करेगी मेरी सुरक्षा'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के मुखिया और सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव की सुरक्षा घटाए जाने के बाद समाजवादी पार्टी और बीजेपी के बीच बयानबाजी तेज हो गई है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने चाचा की सुरक्षा कम करने पर बीजेपी सरकार के इस फैसले को आपत्तिजनक बताया है। वहीं मंगलवार को खुद शिवपाल सिंह ने अपनी सुरक्षा में कटौती होने पर कहा कि 'बीजेपी से यही उम्मीद थी, अब हमारी सुरक्षा हमारे कार्यकर्ता और जनता करेगी। अब डिंपल यादव की जीत और बीजेपी प्रत्याशी की हार और बढ़ी होगी।'

बता दें कि शिवपाल यादव को अब जेड श्रेणी से वाई श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। शिवपाल यादव की सुरक्षा कम किए जाने पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव इशारों-इशारों में बीजेपी को अहंकारी भी करार दिया है। सीएम योगी के शिवपाल के लिए पेंडुलम वाले बयान को लेकर अखिलेश ने एक दिन पहले ट्वीट कर कहा था कि, ' माननीय शिवपाल सिंह यादव जी की सुरक्षा श्रेणी को कम करना आपत्तिजनक है। पेंडुलम समय के गतिमान होने का प्रतीक है और वो सबके समय को बदलने का संकेत भी देता है और ये भी कहता है कि ऐसा कुछ भी स्थिर नहीं है जिस पर

बीजेपी ने कसा अखिलेश पर तंज

सपा प्रमुख के बयान पर पलटवार करते हुए राज्य के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ट्वीट कर कहा कि शिवपाल सिंह यादव को भतीजे अखिलेश यादव और सपा के अपराधियों से खतरा था। अब दोनों में मिलाप हो गया है तो सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा टल गया है। फिर भी उन्हें वाई श्रेणी सुरक्षा उपलब्ध है, यदि उन्हें सुरक्षा की समस्या है तो अवगत कराएं। जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

चाचा पेंडुलम नहीं, ऐसा झूला झुलाएंगे पता नहीं चलेगा कहां गए: अखिलेश

सीएम योगी आदित्यनाथ के बयान पर अखिलेश ने जवाब देते हुए कहा कि चाचा पेंडुलम नहीं, ऐसा झूला झुलाएंगे पता नहीं चलेगा कहां गए। अखिलेश से शिवपाल यादव के संबंध खराब हुए थे, तो उनकी सुरक्षा को बढ़ा दिया गया था। जिसमें अब कटौती कर दी गई है।

भाजपा के साथ गठबंधन की औपचारिक घोषणा होना बाकी : चिराग पासवान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिहार। लोक जनशक्ति पार्टी के मुखिया जमुई सांसद चिराग पासवान अब खुलकर भाजपा के साथ सियासी मैदान पर दिखते हैं। जदयू और भाजपा की राह अलग-अलग हुई तो चिराग पासवान से भाजपा ने खुलकर अपनी करीबी बढ़ाई। चिराग पासवान को हाल में संपन्न हुए दो विधानसभाओं के उपचुनाव में बीजेपी प्रत्याशियों के लिए प्रचार करने भाजपा ने उतारा।

वहीं अब चिराग पासवान ने भाजपा के साथ रिश्ते को लेकर बड़ा बयान दिया है। लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद चिराग पासवान ने कहा कि बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट विजन के साथ पार्टी चुनाव में उतरेगी। आने वाले लोकसभा और विधानसभा की मध्यावधि चुनाव में पार्टी किस तरह से बेहतर प्रदर्शन करेगी, इस दिशा में सभी नेता और कार्यकर्ताओं को सोचना चाहिए। 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में लोजपा कितनी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी के सवाल पर कहा कि अभी भाजपा के साथ गठबंधन की औपचारिक घोषणा नहीं हुई है।

आफताब का आज फिर होगा पॉलीग्राफ टेस्ट

» कल वैन पर हुए हमले के बाद कड़ी होगी सुरक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आज फिर आफताब का पॉलीग्राफ टेस्ट हो सकता है। टेस्ट के लिए आरोपी को एफएसएल ऑफिस लाया जा रहा है। गौरतलब है कि इससे पहले सोमवार को श्रद्धा वालकर हत्याकांड में आरोपी आफताब पर कुछ लोगों ने तलवार लेकर हमला किया था।

श्रद्धा हत्याकांड में आरोपी आफताब पूनावाला को आज यानी मंगलवार को एक बार फिर रोहिणी स्थित एफएसएल ऑफिस लाया जा रहा है। आज फिर आफताब का पॉलीग्राफ टेस्ट हो सकता है। आफताब फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद है, यहां से उसे रोहिणी स्थित एफएसएल दफ्तर ले जाया जाएगा। बीती रात आफताब पर हुए हमले को देखते हुए आज से आफताब की सुरक्षा और सख्त कर दी गई है।

गौरतलब है कि इससे पहले सोमवार को श्रद्धा वालकर हत्याकांड में आरोपी आफताब पर कुछ लोगों ने तलवार लेकर हमला किया। हालांकि पुलिस ने वैन को तेज गति से भागकर आफताब को हमलावरों से बचा लिया।

हमले में दो गिरफ्तार

गौरतलब है कि बीती रात आफताब पर करीब 15 लोगों ने हमला किया था। हमलावरों ने तलवार और हथौड़ा लेकर आफताब पर हमला किया गया था। इस घटना के बाद पुलिस ने दो हमलावर को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि हमलावर पूरे प्लान के साथ आफताब को मारने आये थे।

श्रद्धा हत्याकांड में आरोपी है आफताब

गौरतलब है कि आफताब पूनावाला पर श्रद्धा वालकर की हत्या और फिर उसके शव के 35 टुकड़े करने का आरोप है। आरोपी ने कई दिनों तक शव के टुकड़ों को एक फ्रिज में बंद कर रखा था। इस दौरान वो शव के टुकड़ों को शहर के अलग-अलग इलाकों में फेंकता रहा।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे की सलाह

अधिकारी कानून सम्मत करें काम, नहीं तो सोरेन सरकार कर देगी कॅरियर बर्बाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

झारखंड। सुप्रीम कोर्ट द्वारा राज्य के मुख्य सचिव को सशरीर हाजिर होने के आदेश पर गोड्डा के सांसद डॉ. निशिकांत दूबे ने राज्य के अधिकारियों को सलाह दी है। उन्होंने यह सलाह ट्वीट करते हुए कहा है कि अधिकारियों को कानून और विधि सम्मत काम करना चाहिए।

सांसद डॉ. निशिकांत दुबे ने ट्वीट में लिखा है कि झारखंड के मुख्य सचिव को शिक्षक नियुक्ति में सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना करने पर 2 दिसंबर को सशरीर उपस्थित रहने का आदेश दिया है। फिर से मैं झारखंड के सभी बड़े व छोटे अधिकारियों को सलाह देता हूं, कानून व विधि

सम्मत कार्य करिए, नहीं तो सोरेन सरकार आपके कैरियर को बर्बाद कर देगी। डॉ. निशिकांत दुबे ने यह ट्वीट झारखंड में नियोजन को लेकर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई पर किया है। राज्य में शिक्षकों की नियुक्ति से जुड़े मामले की सुप्रीम कोर्ट में कल सुनवाई हुई। जहां कोर्ट ने आदेश देते हुए कहा कि राज्य के मुख्य सचिव दो दिसंबर को अदालत में सशरीर हाजिर हों। उनका यह ट्वीट सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बना रहा।

मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव के नतीजों पर टिकी यूपी की राजनीति!

» मैनपुरी लोकसभा और रामपुर-खतौली विधानसभा उपचुनाव के लिए 5 दिसम्बर को होगा मतदान, 8 को आएंगे नतीजे

चेतन गुप्ता

लखनऊ। यूपी की मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव के नतीजे प्रदेश की राजनीति में गहरा असर डालने वाले हैं। भाजपा और सपा दोनों ही पार्टियां इस चुनाव की अहमियत समझ रही हैं। यही वजह है कि पूरा मुलायम सिंह यादव का पूरा परिवार सपा प्रत्याशी डिंपल यादव के पीछे खड़ा नजर आ रहा है।

मैनपुरी लोकसभा चुनाव में सपा प्रत्याशी डिंपल यादव के सामने बीजेपी ने रघुराज सिंह शाक्य को उतारा है। मुलायम सिंह यादव के निधन से खाली हुई ये सीट समाजवादी पार्टी का अभेद्ध दुर्ग रहा है। इस सीट से मुलायम सिंह यादव ने 1996 में पहला चुनाव लड़ा था। उसके बाद सपा को इस सीट से कभी कोई भी हरा नहीं पाया है। अखिलेश यादव के सामने इस सीट को हर हाल में जीतने की कोशिश करने के पीछे कई वजहे हैं। जिसमें सबसे बड़ा कारण मुलायम सिंह यादव की विरासत है। इस सीट पर समाजवादी पार्टी की जीत यूपी की राजनीति में भी गहरा असर डालने वाली है। यूपी में समाजवादी पार्टी ही मुख्य विपक्षी दल है। इस सीट पर सपा की जीत से साबित हो जाएगा कि यही पार्टी प्रदेश में बीजेपी को टक्कर दे सकती है और मुख्य विपक्षी दल भी है। साथ ही 2024 के लिए बीजेपी के सामने समाजवादी पार्टी ही यूपी में सबसे बड़ी चुनौती होगी। इसके साथ ही खुद को यूपी में मजबूत पार्टी बनाने में जुटी बीएसपी को भी बड़ा झटका लगेगा। बीएसपी ने इस सीट पर कोई प्रत्याशी नहीं उतारा है। यूपी में यादवों और दलितों के बीच जमीन पर 36 का आंकड़ा रहा है। माना जा रहा है कि बीएसपी के मैदान में न होने से दलित वोट बीजेपी के खाते में जा सकता है। लेकिन इसके बाद भी सपा की जीत होती है निश्चित तौक पर बीएसपी की भूमिका और यूपी की राजनीति में और सीमित हो जाएगी।

यादव कुनबे की एकता की परीक्षा की घड़ी

मैनपुरी में मुलायम सिंह यादव की विरासत बचाने के लिए अखिलेश और शिवपाल साथ आ गए हैं। बीजेपी के प्रत्याशी रघुराज सिंह शाक्य को चेला बताने वाली बातों को भी शिवपाल ने खारिज कर दिया है और उनको स्वार्थी तक कह डाला है। मैनपुरी में जीत से यादव परिवार में एका बढ़ेगा। हो सकता है कि साल 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी में शिवपाल को कोई बड़ी जिम्मेदारी दे दी जाए। इस चुनाव का यादव बेल्ट पर भी असर होगा। मैनपुरी और आसपास की सीटें जैसे बंदायू, इटावा, फर्रुखाबाद जैसी जगहों पर सपा मजबूत होगी और यादव वोटों में सेंध लगाने की कोशिश में लगी बीजेपी की कोशिशों को झटका लग सकता है। मैनपुरी की जीत से यादवों में एक बार फिर अखिलेश यादव को लेकर विश्वास बढ़ेगा। मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में जीत से बिखर रहा है समाजवादी पार्टी का वोटबैंक फिर से एक हो सकता है। यूपी में मुस्लिम-यादव समीकरण को अखिलेश यादव बिखरने से रोक नहीं पा रहे थे। लेकिन इस सीट पर जीत के बाद से वो इस समीकरण के सबसे बड़े नेता रहे मुलायम सिंह यादव के उत्तराधिकारी के तौर पर स्थापित हो जाएंगे और इसके साथ ही वह अन्य ओबीसी जातियों जो कि पिछले कई चुनावों में सपा से छिटक गई थीं उसको करीब लाने में कामयाब हो सकते हैं।

2024 लोकसभा चुनाव में सपा ही दे सकती है बीजेपी को टक्कर

यूपी की 80 लोकसभा सीटों में सपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी होगी जो बीजेपी को सीधे टक्कर देने की ताकत रखती है, ये बात पूरी तरह से स्थापित हो जाएगी। यानी यूपी की राजनीति में बीजेपी के खिलाफ समाजावादी पार्टी सबसे बड़ा ध्रुव होगा और जिसके पास यादवों और मुसलमानों का वोटबैंक होगा। लेकिन अब सवाल ये भी उठता है कि अगर नतीजे सपा के पक्ष में नहीं आते हैं तो उन हालात में यूपी की राजनीति पर क्या असर होगा। क्योंकि यूपी की राजनीति में ओबीसी समुदाय से दो बड़े नेता एक मुलायम सिंह यादव और दूसरे कल्याण सिंह रहे हैं। बीजेपी में कभी बड़े और ताकतवार नेताओं में शुमार रहे कल्याण सिंह की विरासत को सहेजने में बीजेपी कामयाब रही है लेकिन मुलायम की विरासत के लिए अखिलेश यादव मैदान में हैं। लेकिन अगर मैनपुरी का दुर्ग बीजेपी भेदने में कामयाब होती है तो यूपी में लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर तस्वीर एकदम साफ हो जाएगी।

चुनाव जीते तो बीजेपी होगी पिछड़ों की सबसे बड़ी पार्टी

यूपी में यादव वोटरों को आधार बनाकर समाजवादी पार्टी अभी ओबीसी की पार्टी है और इसका अन्य जातियों में भी वोट रहा है। हालांकि मुलायम सिंह यादव की सक्रियता कम होने के साथ-साथ ही सपा से गैर यादव ओबीसी छिटक गए हैं। लेकिन यादवों का समर्थन कम नहीं रहा है। इधर बीजेपी ने सोशल इंजीनियरिंग के दम पर सवर्णों की पार्टी से खुद को गैर यादव ओबीसी की पार्टी में बदल लिया है। अब बीजेपी की पूरी कोशिश है कि पसमांदाओं के दम पर मुसलमानों और यादव नेताओं को आगे करके इस एमवाई समीकरण में सेंध लगाई जाए। मैनपुरी में जीत बिना यादवों के समर्थन से नहीं हो सकती है। बीजेपी अगर मैनपुरी में जीतती है तो साफ हो जाएगा कि कुछ न कुछ यादवों का वोट भी बीजेपी के खाते में गया है। इस जीत के साथ ही साफ हो जाएगा कि यूपी में अब ओबीसी की सबसे बड़ी पार्टी बीजेपी बन गई है।

योगी आदित्यनाथ का और बढ़ेगा कद

यूपी में लगातार दूसरी बार सरकार बनाने के बाद बीजेपी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कद बहुत बढ़ गया है। वो सबसे ज्यादा लोकसभा सीटों वाले राज्य में लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री बने हैं। वो खुद क्षत्रिय समाज से आते हैं। उन पर भेदभाव का भी आरोप लगता रहा है। लेकिन जिस राज्य में ओबीसी वोटरों की संख्या सबसे ज्यादा है वहां पर उन्होंने दूसरी बार सरकार बना ली है। मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में जीत राज्य में योगी आदित्यनाथ को निर्विवाद रूप से सबसे बड़े नेता के तौर पर स्थापित कर देगी। वो सिर्फ सवर्णों के नहीं इस जीत के साथ पिछड़ों के भी नेता बन बन जाएंगे।

यूपी में 80 सीटें जीतने का मास्टर प्लॉन

बीजेपी लोकसभा चुनाव 2024 में सभी 80 सीटें जीतने का प्लान बना रही है। इसको पूरा करने के लिए पार्टी ने पसमांदा मुसलमानों के लिए भी अपने दरवाजे खोल दिए हैं। अगर मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव बीजेपी जीत जाती है तो ये साफ हो जाएगा कि बीजेपी ने यादव वोटरों पर भी सेंध लगा दी है। इस जीत के साथ ही यूपी में लोकसभा की सभी 80 सीटें जीतने के सपने के और करीब आ जाएगी।

अमेठी के बाद मैनपुरी पर पूरे देश की निगाहें

साल 2019 के लोकसभा चुनाव में गांधी परिवार का सबसे मजबूत किला अमेठी को बीजेपी जीत चुकी है। इस चुनाव में खुद राहुल गांधी बीजेपी नेता स्मृति ईरानी से हार गए। लेकिन मैनपुरी यादव परिवार का किला है। जिसको तोड़ना लगभग नामुमकिन है क्योंकि इस सीट पर यादव वोटरों की संख्या 5 लाख के करीब है। लेकिन बीजेपी इस सीट को जीतने में कामयाब होती है तो यूपी की राजनीति में एक और किला टूट जाएगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

गुजरात में कई सीटों पर पाटीदार बनाम पाटीदार की जंग होगी रोचक

गुजरात की राजनीति में पाटीदार समुदाय खासा वर्चस्व रखता है। राज्य में करीब 15 फीसदी आबादी इस समुदाय की है जो राज्य की 182 में से करीब 50 सीटों पर अपना अहम प्रभाव रखती है। इस समुदाय ने राज्य को 5 मुख्यमंत्री भी दिए हैं। इस बार के विधानसभा चुनाव के पहले चरण में सौराष्ट्र-कच्छ की 54 सीटों पर चुनाव होने हैं। इनमें से 12 सीटों पर इस बार पाटीदार बनाम पाटीदार की जंग हो रही है। इन 12 सीटों जिनमें राजकोट जिले की तीन सीटें राजकोट दक्षिण, जेतपुर और धोराजी, मोरबी जिले की दो सीटें मोरबी और टंकारा, जामनगर की दो सीटें जामनगर दक्षिण और जामजोधपुर, जूनागढ़ की विसावदर और कच्छ जिले की भुज, अमरेली जिला की अमरेली, सावरकुंडला और लाठी सीटें शामिल हैं। राजनीतिक दलों के लिए सौराष्ट्र एपिसेन्टर रहा है। इसमें भी पाटीदार किनके साथ रहेंगे, यह प्रत्येक दल के लिए अहम हो जाता है।

पिछले विधानसभा चुनाव में इस इलाके में पाटीदार आरक्षण आंदोलन का असर पड़ा था और भाजपा को यहां कांग्रेस के हाथों शिकस्त खानी पड़ी थी। कांग्रेस को जहां 30 सीटें मिली थी वहीं भाजपा के हाथ 23 सीटें लगी थी। एक सीट एनसीपी के खाते में गई थी। अमरेली, मोरबी व गिर सोमनाथ जिले में भाजपा का खाता भी नहीं खुल सका था। पिछली बार पाटीदार आंदोलन का असर सौराष्ट्र के ग्रामीण इलाकों में ज्यादा दिखा। हालांकि इस बार ऐसा कोई आंदोलन नहीं है। साथ ही भाजपा व कांग्रेस के साथ आम आदमी पार्टी के रूप में तीसरा दल भी चुनाव मैदान में है। पाटीदार फैक्टर भाजपा व कांग्रेस दोनों के लिए अहम है। बीते कई सालों से पाटीदार भाजपा का मजबूत वोटर रहा है। हालांकि पिछली बार पाटीदार आरक्षण आंदोलन के चलते भाजपा को कई सीटों पर नुकसान जरूर हुआ था लेकिन इस बार वैसा कोई आंदोलन नहीं है। पिछले चुनाव में अलग हुआ पाटीदारों का कुछ वर्ग इस बार फिर से भाजपा की ओर झुकता नजर आ रहा है। इसकी वजह केन्द्र सरकार की ओर से दिए गए ईडब्ल्यूएस आरक्षण को माना जा रहा है। कई क्षेत्रों में पाटीदार मजबूत हैं तो वहां पर इस समुदाय के लोग जीतते हैं। हालांकि कुछ इलाके ऐसे भी हैं जहां पाटीदारों के मजबूत होने के बावजूद गैर पाटीदार जीतते हैं।

कांग्रेस को जहां 30 सीटें मिली थी वहीं भाजपा के हाथ 23 सीटें लगी थी। एक सीट एनसीपी के खाते में गई थी। अमरेली, मोरबी व गिर सोमनाथ जिले में भाजपा का खाता भी नहीं खुल सका था। पिछली बार पाटीदार आंदोलन का असर सौराष्ट्र के ग्रामीण इलाकों में ज्यादा दिखा। हालांकि इस बार ऐसा कोई आंदोलन नहीं है। साथ ही भाजपा व कांग्रेस के साथ आम आदमी पार्टी के रूप में तीसरा दल भी चुनाव मैदान में है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जीएम सरसों की खेती नुकसानदेह

डॉ. अश्विनी महाजन

अक्टूबर 18, 2022 को भारत सरकार के पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की एक समिति जेनेटिक इंजीनियरिंग अप्रैजल कमेटी (जीइएसी) ने जीएम सरसों की एक किस्म डीएमएच-11 को एक बार फिर खेतों में लगाने की सिफारिश की है। मई, 2017 में भी जीइएसी ने इसी किस्म को हरी झंडी दी थी, लेकिन किसानों और वैज्ञानिकों के भारी विरोध के कारण सरकार ने सिफारिश मानने से मना कर दिया था। बताया जा रहा है कि यह किस्म प्रो दीपक पेंटल द्वारा देश में विकसित की गयी है और पूर्णत: स्वदेशी है। यह भी दावा है कि यह जीएम सरसों 26 प्रतिशत अधिक उपज देगी। तर्क है कि देश में खाद्य तेलों का उत्पादन कम है, जिसके कारण देश की बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की हानि हो रही है। जीएम सरसों को उपभोक्ताओं, किसानों और पर्यावरण के लिए सुरक्षित भी बताया जा रहा है। लेकिन जीइएसी के इन दावों का सच क्या है, वह इससे स्पष्ट है कि स्वयं समिति ने अनुमति देते हुए कुछ ऐसी शर्तें लगायी हैं।

जो यह साबित करती हैं कि जीइएसी के पास इस बीज के सुरक्षित होने के कोई प्रमाण नहीं हैं, और वह शर्तें लगाकर इसके दुष्प्रभावों के आरोप से बचना चाहती है, कि भविष्य में वह कह सके कि हमने जीएम सरसों को कुछ शर्तों के साथ ही अनुमति दी थी और चूंकि उन शर्तों का पालन नहीं हुआ, इसलिए उनका कोई दोष नहीं है। गौरतलब है कि जो शर्तें लगायी गयी हैं, उनका अनुपालन करना सरकार के बस की बात नहीं है। इस दावे में सत्यता नहीं है कि डीएमएच-11 एक स्वदेशी खोज है। वर्ष 2002 में बॉयर (एक विदेशी कंपनी) की एक सहायक कंपनी 'प्रोएग्रो सीड कंपनी' ने ऐसी ही एक किस्म, जिसे डीएमएच-11 कहा जा रहा है, की अनुमति हेतु आवेदन किया था, जिसे भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने यह कहते हुए मना कर दिया था कि इससे बेहतर उत्पादकता मिलने का कोई प्रमाण नहीं है। वास्तव में डीएमएच-11 किस्म बारनेस और बारस्टार नाम के दो जींस को जोड़कर बनायी गयी है और यह जींस बॉयर क्रॉप साइंस द्वारा पेटेंट की गयी है।

इस तथ्य को छुपाया गया है और भविष्य में बॉयर कंपनी अपने बौद्धिक संपदा अधिकारों की एवज में भुगतान मांग सकती है और किसान को उसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। डीएमएच-11 के बारे में जीइएसी का ज्यादा उत्पादकता का दावा सही नहीं है क्योंकि भारत के सरसों एवं रेपसीड शोध संस्थान का कहना है कि देश में

डीएमएच-11 से कम से कम 25 प्रतिशत से ज्यादा उत्पादकता देने वाली किस्में पहले से ही विकसित की जा चुकी हैं। सरकार को उन किस्मों को बढ़ावा देना चाहिए। खेद का विषय यह है कि केवल इस प्रौद्योगिकी के विदेशी मूल को ही नहीं छुपाया गया, बल्कि यह तथ्य भी छुपाया गया कि जीएम सरसों हर्बीसाइड टोलरेंट भी है यानी शाकनाशी सहिष्णु भी है। डीएमएच-11 का ट्रायल करते हुए उसकी इस विशेषता के बारे में कोई टेस्ट नहीं किया गया। सतर्क नागरिकों एवं विशेषज्ञों द्वारा सच को सामने लाने के कारण अब जीइएसी ने एक नया रास्ता खोजा है कि अनुमति के साथ यह शर्त लगायी गयी है कि किसी भी हालत में किसानों द्वारा किसी शाकनाशी का उपयोग नहीं किया जायेगा। अब चूंकि यह किस्म ही शाकनाशी सहिष्णु है, स्वाभाविक तौर पर शाकनाशियों की पर्याप्त उपलब्धता होने के कारण कोई सरकारी एजेंसी किसानों को इसके बारे में रोक नहीं सकती। इस संबंध में एक समानांतर उदाहरण हमारे सामने है कि ग्लाइफोसेट नाम के शाकनाशी का उपयोग केवल चाय बागानों और गैर कृषि क्षेत्रों में ही हो सकता है, लेकिन उसके बावजूद देशभर में यह धड़ल्ले से बिकता है और भारत में उसकी कुल बिक्री 1200 करोड़ रुपये से ज्यादा है। समझा जा सकता है कि जीइएसी का यह कृत्य वास्तव में अनैतिक है। कई प्रकार के शाकनाशकों के दुष्परिणामों से दुनिया जूझ रही है। इनके कारण अमरीका और अन्य मुल्कों, जहां ऐसी किस्मों का इस्तेमाल हो रहा है, में कैंसर का प्रकोप बढ़ता जा रहा है और शाकनाशकों की निर्माता कंपनियों पर मुकदमे भी लगातार बढ़ रहे हैं। कई आयुर्वेदिक औषधियों में भारतीय सरसों एक वरदान के रूप में इस्तेमाल की जाती है। इसकी खुशबू एवं स्वाद ही इसकी विशेषताएं हैं।

जानकार बताते हैं कि डीएमएच-11 में न तो खुशबू होगी और न ही स्वाद यानी इसमें औषधीय गुण होने का सवाल ही नहीं है। आज भारत लगभग 50 अरब डॉलर के खाद्य पदार्थों का निर्यात करता है। देश इसे बाधित करने का जोखिम नहीं उठा सकता। कहा जा सकता है कि देश में जहां जीएम खाद्य पदार्थों की कोई जरूरत नहीं है, व्यावसायिक ताकतों के दबाव में इनको दी जाने वाली अनुमतियों से खेती, पर्यावरण, स्वास्थ्य एवं निर्यात को भारी नुकसान पहुंच सकता है। ऐसे में सरकार का दायित्व है कि इस मामले में जीइएसी की सिफारिशों को दरकिनार कर देशहित की रक्षा करें।

पाक सरकार विपक्ष व सेना की जंग

आशुतोष चतुर्वेदी

पुरानी कहावत है कि आप मित्र बदल सकते हैं, पड़ोसी नहीं। पाकिस्तान हमारा पड़ोसी मुल्क है, इसलिए न चाहते हुए भी वहां का घटनाक्रम हमें प्रभावित करता है। इन दिनों पाकिस्तान में घात-प्रतिघात का दौर चल रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान शहबाज शरीफ सरकार और सेना से टकराव की राह पर बढ़ते नजर आ रहे हैं। पाकिस्तान में सेना का इतना खौफ रहा है कि राजनेता सेना पर सवाल उठाने से डरते हैं। लेकिन ऐसा पहली बार हो रहा है, जब इमरान खान खुलेआम सेना को चुनौती देते नजर आ रहे हैं।

एक रैली के दौरान उन पर जानलेवा हमला हो चुका है, जिसे सेना को चुनौती देने से जोड़ कर देखा जा रहा है। अब इमरान ने एलान किया है कि उनकी पार्टी के सदस्य सभी विधानसभाओं से इस्तीफा दे देंगे। पाकिस्तान की राजनीति में सेना का हस्तक्षेप किसी से छुपा हुआ नहीं है। शरीफ सरकार ने जनरल आसिम मुनीर को नया सेनाध्यक्ष नियुक्ति किया है, जिनसे इमरान खान का छत्तीस का आंकड़ा है। जब मुनीर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ के प्रमुख थे, तो उन्हें तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान ने हटवा दिया था। जब सेना प्रमुख पद के दावेदारों में मुनीर का नाम आया, तो इमरान खान और उनकी पार्टी ने इसका भारी विरोध किया। दूसरी ओर जाते जाते पुराने सेनाध्यक्ष जनरल कमर बाजवा की संपत्ति की खबर मीडिया में लीक कर दी गयी। एक पाकिस्तानी खोजी वेबसाइट की खबर के मुताबिक, जनरल बाजवा के परिजन और रिश्तेदार ने उनके कार्यकाल में अरबपति बन गये। दूसरी ओर पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति डांवाडोल है। उस पर 130 अरब डॉलर का विदेशी कर्ज है और महंगाई चरम पर है। जनरल बाजवा 29 नवंबर को पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष पद से रिटायर हो रहे हैं। पाकिस्तान में लोकतंत्र की जड़ें इतनी कमजोर हैं कि हर तीन-चार साल बाद इस पर कोई न कोई कुठाराघात हो जाता है। वहां का प्रधानमंत्री सबसे कमजोर कड़ी है। चाहे वह भारी जनादेश वाली नवाज शरीफ की सरकार हो या साधारण बहुमत वाली इमरान खान की सरकार, सेना को उसे गिराते देर नहीं लगती है। स्थापना के बाद से ही पाकिस्तान का राजनीतिक इतिहास उथल-पुथल भरा व रक्तरंजित रहा है। वहां चार बार चुनी हुई सरकारों को सैन्य तानाशाहों ने गिराया है।

दो प्रधानमंत्रियों को न्यायपालिका ने बर्खास्त किया है, जबकि एक पूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो को फांसी दे दी गयी और एक अन्य पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की हत्या कर दी गयी थी। मौजूदा घटनाक्रम ऐसे ही उथल-पुथल का दोहराव है। सेना के हाथ खींच लेने के बाद कई सहयोगियों ने भी इमरान खान का साथ छोड़ दिया। यह सभी जानते हैं कि इमरान सरकार इलेक्टेड नहीं, बल्कि सेना द्वारा सेलेक्टेड प्रधानमंत्री थे। कुछ विश्लेषक तो उन्हें कठपुतली, तो कुछ मुखौटा प्रधानमंत्री ही बताते थे। जब 2018 में इमरान खान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ सत्ता में आयी, तो इमरान खान ने अपनी सरकार को रियासते मदीना यानी मदीने की सरकार की तरह चलाने का ऐलान किया था। पाश्चात्य जीवनशैली वाले इमरान सत्ता में आने के बाद एकदम कट्टर धार्मिक हो गये। वे 2018 में बड़ी-बड़ी बातें कर सत्ता में आये थे, पर हर मोर्चे पर पूरी तरह नाकाम रहे। उनके कार्यकाल में पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति खस्ता हो गयी। ऐसी विषम परिस्थितियों में इमरान खान से पीछा छुड़ाना ही सेना को बेहतर लगा। आइएसआइ के पूर्व प्रमुख फैज हमीद को हटाने में देरी की कोशिश ने सेना को उनसे और नाराज कर दिया। उसके बाद तो सेना से उनकी लगातार दूरियां बढ़ती गयीं। आइएसआइ अधिकारी फैज हमीद इमरान खान के बेहद करीबी थे और वे राजनीतिक साजिशों का हिस्सा रहे थे। पाकिस्तान में सेना का सत्ता पर नियंत्रण कोई नयी बात नहीं है। वहां सेना का साम्राज्य चलता है। वह उद्योग-धंधे चलाती है। प्रॉपर्टी के धंधे में उसकी खासी दिलचस्पी है। उसकी अपनी अलग अदालतें हैं। खास बात यह है कि सेना के सारे काम-धंधे को जांच-पड़ताल के दायरे से बाहर रखा गया है। कोई उन पर सवाल नहीं उठा सकता है। उसके पास लगभग हर शहर में जमीनें हैं। कराची और लाहौर में तो डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी के पास लंबी-चौड़ी जमीनें हैं। गोल्फ क्लब से लेकर शॉपिंग माल और बिजनेस पार्क तक सेना ने तैयार किये हैं। मीडिया में छपी खबरों को सही मानें, तो पाकिस्तानी सेना के पास लगभग 120 अरब डॉलर की संपत्ति है।

पाकिस्तान में सेना कितनी ताकतवर है, उसका आम भारतीयों को अंदाजा नहीं है, क्योंकि अपने देश में सेना की राजनीति में कोई भूमिका कभी नहीं रही है। वहां अदालतें सेना के इशारे पर फैसले सुनाती हैं, अन्यथा जजों को ही विदा कर दिया जाता है। यही वजह है कि अब तक पाकिस्तान में जितने भी तख्ता पलट हुए हैं, उन सभी को सुप्रीम कोर्ट ने उचित ठहराया है। इधर, इमरान खान ने पिछले कुछ दिनों से लगातार भारत की विदेश नीति की तारीफ की है। इसका कोई विशेष अर्थ न निकालें। ऐसा वे पाकिस्तानी सेना को चिढ़ाने के लिए कह रहे हैं क्योंकि पाक विदेश नीति का नियंत्रण सेना के हाथ में है और सेना ने उन्हें सत्ता से हटाया है। इसके माध्यम से इमरान खान पाकिस्तानी सेना को निशाना बना रहे हैं, जिसने उन्हें दूध की मक्खी की तरह फेंक दिया है। ठीक यूक्रेन युद्ध से पहले रूस की यात्रा कर उन्होंने अमेरिका और पाक सेना दोनों को नाराज कर दिया था। उन्होंने अमेरिका पर आरोप लगाया था कि वह उनको हटाने की साजिश में शामिल है। इमरान खान ने यह भी कहा था कि अमेरिका ने सेना से कहा था कि आप अगर इमरान खान को हटायेंगे, तो हमारे ताल्लुकात आपसे अच्छे होंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पर इस साजिश में शामिल होने का आरोप भी मढ़ा था। पाकिस्तान का मौजूदा घटनाक्रम चिंतित करने वाला है।

ठंडक में वजन घटाए खांसी-जुकाम से बचाए

अमरूद

सर्दियों के मौसम में अमरूद लगभग हर किसी को पसंद होता है। अमरूद के साथ-साथ इसकी पत्तियां भी बहुत फायदेमंद होती हैं। अमरूद कई सारे एंटीऑक्सिडेंट, विटामिन C, पोटेशियम और फाइबर से भरपूर होता है। इसके अलावा, इसमें फोलेट और लाइकोपीन जैसे जरूरी पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। अमरूद में 80% तक पानी होता है जो स्किन को हाइड्रेट रखने का काम करता है। आइए जानते हैं कि सर्दियों में अमरूद खाने से शरीर को और क्या-क्या फायदे मिलते हैं।

वजन कम करने में कारगर

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो अमरूद से अच्छा फल कोई और नहीं हो सकता। इसमें कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है और इसे खाने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होने की वजह से आपके शरीर में किसी भी तरह के पोषक तत्व की कमी भी नहीं होती है। इसमें शुगर की मात्रा भी बहुत कम होती है जिसकी वजह से मोटापा नहीं बढ़ता है।

कैंसर से बचाता है

अमरूद की पत्तियों में एंटीकैंसर गुण होते हैं। टेस्ट-ट्यूब और एनिमल स्टडीज के मुताबिक, अमरूद का अर्क कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोकता है। अमरूद में पाए जाने वाले शक्तिशाली एंटीऑक्सिडेंट फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं। इसमें पाया जाने वाला लाइकोपीन, क्वेरसेटिन और पॉलीफेनोल्स भी कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोकने में फायदेमंद पाया गया है। स्टडीज से यह भी पता चलता है कि अमरूद के पत्ते के तेल में एंटी-प्रोलिफेरेटिव पदार्थ होते हैं जो कैंसर के प्रसार को रोकने में प्रभावी होते हैं।

सर्दी-खांसी से बचाता है

सर्दियों के दिनों में सर्दी-खांसी की समस्या होना आम बात है। अमरूद और इसकी पत्तियों में भरपूर मात्रा में विटामिन C और आयरन होता है जो सर्दी-खांसी में आराम देता है। अमरूद इम्यूनिटी बढ़ाने का काम करता है। खांसी में पका अमरूद नहीं खाना चाहिए लेकिन कच्चा अमरूद खाने से बलगम कम होता है। इसलिए सर्दियों में अमरूद का सेवन जरूर करना चाहिए। अमरूद में पाया जाने वाला विटामिन C आंखों की रौशनी भी बढ़ाने का काम करता है।

कब्ज को करता है दूर

अमरूद फाइबर का बहुत अच्छा स्त्रोत है और इसके बीज पेट को साफ करने में काफी फायदेमंद होते हैं। अमरूद खाने से कब्ज की समस्या दूर होती है। सिर्फ एक अमरूद से ही आपको हर दिन के फाइबर की जरूरी मात्रा यानी 12ग्र तक फाइबर मिल सकता है। वहीं अमरूद की पत्तियां डायरिया की दिक्कत को दूर करती हैं और आंत में मौजूद हानिकारक रोगाणुओं को मारती हैं।

डायबिटीज से बचाता है

स्टडीज के मुताबिक, अमरूद ब्लड शुगर को कंट्रोल करता है। खासतौर से अमरूद के पत्तों का अर्क इंसुलिन रेजिस्टेंस और ब्लड शुगर पर काफी कारगर पाया गया है। खाने के बाद अमरूद की पत्तियों से बनी चाय पीने से ब्लड शुगर कम होता है। अमरूद में ग्लाइकेमिक इंडेक्स कम होता है, जो ब्लड शुगर के स्तर को बढ़ने से रोकता है। कुल मिलाकर डायबिटीज के मरीजों के लिए अमरूद बहुत फायदेमंद है और इन्हें हर दिन अमरूद खाना चाहिए।

दिल की बीमारियों से बचाता है

अमरूद दिल के लिए भी बहुत फायदेमंद है। अमरूद में पाए जाने वाले एंटीऑक्सिडेंट और विटामिन दिल को फ्री रेडिकल्स से खराब होने से बचाते हैं। अमरूद में केले के बराबर पोटेशियम पाया जाता है जो दिल की सेहत को दुरुस्त रखता है। अमरूद की पत्तियां भी ब्लड प्रेशर को कम करती हैं और बैड कोलेस्ट्रोल को घटाकर गुड कोलेस्ट्रोल को बढ़ाती हैं। एक स्टडी के मुताबिक, खाना खाने से पहले एक पका अमरूद खाने से ब्लड प्रेशर 8-9 प्वाइंट तक कम हो जाता है।

हंसना मना है

टीटू: दुनिया का सबसे बड़ा त्योहार कौन सा है? शीटू: घरवाली। टीटू: मतलब? शीटू: और क्या, हफ्ते में 3-4 बार तो मनाना ही पड़ता है।

मोहन समोसे को खोलकरअंदर का मसाला ही खा रहा था। मोनू: अरे! तू पूरा समोसा क्यों नहीं खा रहा? मोहन: अरे मैं बीमार हूं ना।

दादी को गीता पढ़ते देख पोते ने अपनी मां से पूछा। मां दादी कौन सी परीक्षा की तैयारी कर रही हैं? मां : बेटा ये फाइनल ईयर की तैयारी कर रही हैं।

कुल्लू की मां की तबीयत खराब हुई, वह उन्हें लेकर अस्पताल गया। डॉक्टर ने कहा: दो टेस्ट होंगे! कुल्लू वहीं जोर-जोर से रोने लगा और कहने लगा-हे भगवान अब क्या होगा। मेरी मां तो अनपढ़ है।

लड़की: मुझे अमीर लड़के बहुत पसंद हैं। लड़का: अच्छा। लड़की: हां। लड़का: अच्छा तो फिर बाद में बात करता हूं, थोड़ा हेलीकॉप्टर अंदर कर दूं, बाहर गली में खड़ा है।

लड़का: जान, तुम्हारा नाम हाथ पर लिखूं या दिल पर? लड़की: इधर-उधर कहां लिखते हो सच्चा प्यार है तो प्रॉपर्टी के पेपर्स पर लिखो सीधी बात, नो बकवास।

लड़का: यार, मुझे उस लड़की से बचाओ, दोस्त: क्यों?लड़का: जब से मैंने कह दिया है दिल चीर के देख तेरा ही नाम होगा, ये चाकू लेकर मेरे पीछे पड़ गई है।

कहानी — समुद्र की बूँदें

एक बुद्धिमान चरवाहा था। चरवाहा वह होता है जो गाय- भैंसों भेड़-बकरियों को चराने ले जाता है और शाम को वापस ले आता हे। उस चरवाहे का नाम था यश। यश की बुद्धिमानी की चर्चा राजा तक पहुँची। राजा ने उसे अपने दरबार में बुलाया और कहा, हम तुम्हारी बुद्धिमानी की परीक्षा लेना चाहते हैं। तुम हमारे तीन प्रश्नों का उत्तर दो। यदि हमें लगा कि तुम्हारे उत्तर ठीक हैं तो तुम्हें पुरस्कार दिया जाएगा। जी महाराज। यश ने कहा। राजा ने पहला प्रश्न पूछा, समुद्र में पानी की कितनी बूँदें हैं? यश ने उत्तर दिया, महाराज, समुद्र में लगातार नदियों का पानी आकर मिलता रहता है। इसलिए बूँदों की सही गिनती नहीं की जा सकती। आप सारी नदियों को रोक दीजिए। मैं तुरंत समुद्र की बूँदें गिनकर आपको बता दूँगा। राजा यह उत्तर सुनकर खुश हुए। अब राजा ने दूसरा प्रश्न पूछा-आकाश में कितने तारे हैं? यश ने उत्तर दिया, महाराज, समुद्र में जितनी बूँदें हैं, आकाश में उतने ही तारे हैं। आप नदियों को रोकने का प्रबंध कर दें। मैं आपको गिनकर बता दूँगा। फिर राजा ने तीसरा प्रश्न पूछा, अच्छा यह बताओ कि अनंतकाल आने में कितने पल अर्थात कितने सैकेंड बाकी हैं? यश ने उत्तर दिया, महाराज, इसका उत्तर तो बहुत ही सरल हे। आप जब नदियों का बहना रोकेंगे तो में समुद्र की बूँदें गिनना शुरू करूँगा। एक बूँद को गिनने में मुझे एक पल लगेगा। जब मैं सारी बूँदें गिन चुकूं तो समझिएगा कि अनंतकाल आ गया। यश के चतुराई भरे उत्तर सुनकर राजा बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने यश से कहा, तुम संचमुच बहुत बुद्धिमान हो। हम तुम्हें पुरस्कार देना चाहते हैं। आज से तुम हमारे विशेष सलाहकार नियुक्त किए जाते हो।

5 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। आप जिस भी काम को पूरा करना चाहेंगे, वो काम पूरा हो जायेगा। आप किसी पुराने मित्र से मिलने उसके घर पर जा सकते हैं।

वृषभ

आज का दिन विद्यार्थियों के लिए अच्छा है। उनको अभ्यास में सफलता मिलेगी एवं प्रगति के लिए नया मौका प्राप्त होगा। स्वास्थ्य और प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

मिथुन

आज आपका पूरा जोर पारिवारिक और घरेलू जिम्मेदारियों पर रहेगा। परिवार में अधिक समय बिताएंगे और घर की जरूरतों को समझेंगे और उन पर खर्च करेंगे।

कर्क

ऑफिस में किसी जरुरी काम को पूरा करने के लिए पिछली कंपनी का अनुभव आपके काम आ सकता है। किसी नये व्यवसाय में पैसा लगाने से आपको बचना चाहिए।

सिंह

आज आपको महिला रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। हनुमान चालीसा का पाठ करने से आपके जीवन के सब कष्ट दूर होंगे और परिवार में चारों तरफ से खुशियां आएंगी।

कन्या

आज समस्याओं से बाहर निकलेंगे। मानसिक चुनौतियां खत्म होंगी और आज कुछ बड़े मामलों में निर्णय लेंगे। इसकी वजह से आपकी योजनाएं गति पकड़ेंगी।

तुला

आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आपका मन सामाजिक कार्यों की तरफ हो सकता है। साथ ही पड़ोसियों के बीच आपके किसी पुराने काम की तारीफ हो सकती है।

वृश्चिक

आज पारिवारिक जिम्मेदारियों में बढ़ोतरी होगी। जीवनसाथी को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र का विस्तार तथा स्थान परिवर्तन की सम्भावना बन रही है।

धनु

आज का दिन आपको काफी व्यस्त रखेगा। अचानक से कुछ अटके हुए काम बन जाएंगे और कुछ बनते हुए काम रुक सकते हैं, इसलिए आपको ना ही अधिक खुशी होगी ना ही अधिक दुख।

मकर

आज आपके मन में नए-नए विचार आ सकते हैं। आप किसी काम के लिए नई योजना भी बना सकते हैं। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है।

कुम्भ

आज परिवार में दुख होने से घर का वातावरण दूषित होगा। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों से मतभेद हो सकते हैं।

मीन

दिन की शुरुआत नाजुक रहेगी, इसलिए शुरुआत में कोई बड़ा काम ना करें। लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा, दांपत्य जीवन में खुशियां आएंगी।

बॉलीवुड | मन की बात

कई सालों तक किया गया मैं इग्नोर : कार्तिक आर्यन

कार्तिक आर्यन आज भले ही इंडस्ट्री में खूब नाम कमा रहे हैं और सबकी जुबां पर उनका नाम है। लेकिन उनका कहना है कि बहुत अधिक समय तक ऐसा नहीं था। कार्तिक आर्यन को लगता है कि उन पर बन रहे मीम्स भी फैंस के प्यार की निशानी है। इंडस्ट्री में एक दशक से भी ज्यादा समय से जुड़े अभिनेता ने कहा कि अब उन्हें जो प्यार मिल रहा है, उसने हमेशा से नजरअंदाज किए जाने के डर को खत्म कर दिया है। भूल भुलैया 2 की ब्लॉकबस्टर सफलता के बाद कार्तिक करियर की ऊंचाई पर है। सिद्धार्थ कन्नन के साथ बातचीत में, जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने एक मीम को गोल करते हुए देखा है, जहां उन्हें रिप्लेसमेंट स्टार कहा जा रहा है, जो अब मिशन इम्पॉसिबल में टॉम क्रमज की जगह लेगा, कार्तिक ने कहा कि उन्हें इस पर अच्छी हंसी आई। उन्होंने कहा, बहुत से लोगों ने इसे मेरे पास भेजा है! मुझे यह हास्यास्पद लगा। आप इसे देखते हैं और आप आनंद लेते हैं! मैं खुश हूं। कभी-कभी नजरअंदाज न करना अच्छा होता है। मुझे नजरअंदाज किए जाने का डर था क्योंकि मुझे हमेशा नजरअंदाज किया गया है। सबसे लंबे समय तक और सालों तक। लेकिन अब समय आ गया है कि मुझे लगता है कि मुझे अनदेखा करना कठिन है। मैं खुश हूं। वह डर अब नहीं आता। मैं अब काफी बाहर हूं, मेरे जीवन में बहुत सारी चीजें हो रही हैं, कभी-कभी यह भारी लगता है लेकिन यह मेरे हाथ में नहीं है। मैं फ्लो के साथ जा रहा हूं। कार्तिक फिलहाल अपनी अगली फिल्म फ्रेडी की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। अलाया एफ अभिनीत, थ्रिलर 2 दिसंबर को डिज्नी + हॉटस्टार पर रिलीज़ होने वाली है।

इब्राहिम अली खान की डेब्यू फिल्म में हुई काजोल की एंट्री

बॉलीवुड | मसाला

सैफ अली खान के बेटे और सारा अली खान के भाई इब्राहिम अली खान बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। करण जौहर इस फिल्म का निर्माण करेंगे। वहीं, फिल्म का निर्देशन बोमन ईरानी के बेटे कायोज करेंगे। इस बीच अब फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म में काजोल मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं। रिपोर्ट्स के दावों के मुताबिक काजोल ने करण के अगले प्रोडक्शन वेंचर को साइन कर लिया है। फिल्म में वह इब्राहिम के साथ मुख्य भूमिका निभाएंगी। जानकारी के मुताबिक यह फिल्म अगले साल की शुरुआत में फ्लोर पर जाएगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि काजोल भावनात्मक रूप से मजबूत किरदार निभाएंगी और इब्राहिम अली खान के साथ ज्यादा से ज्यादा स्क्रीन टाइम शेयर करेंगी। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि काजोल फिल्म का हिस्सा बनकर रोमांचित हैं। इससे पहले काजोल इब्राहिम के पिता सैफ के साथ दिल्लगी, हमेशा और तान्हाजी- द अनसंग वॉरियर जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। जानकारी के मुताबिक फिल्म के लिए इब्राहिम ने भी तैयारी शुरू कर दी है।

बता दें कि इब्राहिम इस समय करण जौहर के निर्देशन में बन रही फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में बतौर सहायक निर्देशक काम कर रहे हैं। फिल्म में आलिया भट्ट, रणवीर सिंह, शबाना आजमी, धर्मेंद्र और जया बच्चन भी नजर आएंगी। गौरतलब है कि इब्राहिम से पहले उनकी बड़ी बहन सारा अली खान भी बॉलीवुड में डेब्यू कर चुकी हैं। साल 2018 में उन्होंने फिल्म केदारनाथ से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था। सारा अब तक सिंबा, लव आजकल 2 और अतरंगी रे में जैसी फिल्मों में अपने एक्टिंग का जलवा दिखा चुकी हैं।

'बड़े अच्छे लगते हैं 2' से होगी नकुल और दिशा की छुट्टी

बॉलीवुड | छोटो पर्दा

सोनी टीवी पर प्रसारित होने वाला पॉपुलर सीरियल 'बड़े अच्छे लगते हैं 2' सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले शोज में से एक है। इसका पहला पार्ट भी लोगों को खूब पसंद आया था और दूसरे पार्ट को भी उतना ही प्यार दिया जा रहा है। शो में लीड रोल में नकुल मेहता राम कपूर का किरदार निभा रहे हैं, वहीं दिशा परमार प्रिया सूद कपूर के रोल में दिख रही हैं। दोनों की जोड़ी काफी पसंद की जा रही है। हालांकि, ये जोड़ी ज्यादा समय तक साथ नहीं दिखेगी।

जी हां, दिशा और नकुल की केमिस्ट्री को पसंद करने वालों के लिए एक बुरी खबर है कि, दोनों जल्द ही 'बड़े अच्छे लगते हैं 2' से अलविदा लेने वाले हैं। कहा जा रहा है कि, दोनों ने शो छोड़ने का फैसला कर लिया है। इसकी सबसे बड़ी वजह शो में आ रहे अपकमिंग ट्विस्ट है।

दरअसल, एकता कपूर के शो 'बड़े अच्छे लगते हैं 2' में 20 साल का लीप होने जा रहे है। सीरियल में ये एक नया ट्विस्ट रखा गया है। हालांकि, नकुल और दिशा दोनों इतने बड़े उम्र के किरदार को निभाने से कतरा रहे हैं। दिशा और नकुल छोटे पर्दे के सबसे मशहूर सेलिब्रिटीज में से एक हैं। ऐसे में उन्होंने बड़े उम्र के रोल्स करने से साफ इनकार कर दिया है। कहा जा रहा है कि, ये भले ही एक लंबा लीप है, लेकिन मेकर्स शो को दिलचस्प बनाने के लिए कहानी को आगे बढ़ा रहे हैं। बड़ी हो चुकी पिहू और अन्य एक्टर्स की कास्टिंग का भी काम चल रहा है। जल्द ही नए स्टार कास्ट 'बड़े अच्छे लगते हैं 2' का हिस्सा बनेंगे।

अजब-गजब | लंबी जिंदगी जीने का बताया था ये राज

ढाई सौ साल तक जिंदा रहा था ये शख्स

किसी इंसान की जिंदगी ज्यादा से ज्यादा कितनी हो सकती है। आपका जवाब होगा सौ या उससे एक दो साल ज्यादा। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे शख्स के बारे में बताने जा रहे हैं जो 100-200 साल नहीं बल्कि 256 साल तक जिंदा रहा। हम बात कर रहे हैं ली चिंग युए के बारे में। जो दुनिया में सबसे अधिक उम्र तक जिंदा रहे। इतिहासकारों का कहना है कि ली चिंग का जन्म 3 मई 1677 को चीन के कीजियांग जिले में हुआ था।

वहीं कुछ लोगों का दावा है कि उनका जन्म साल 1736 में हुआ था। ली चिंग युए की मृत्यु 6 मई 1933 को हो गई। साल 1928 में न्यूयॉर्क टाइम्स के एक संवाददाता ने लिखा था कि ली के पड़ोस में रहने वाले कई बुजुर्गों का कहना था कि जब उनके दादा लोग बच्चे थे, तो वो ली चिंग को जानते थे, वो उस समय भी एक अधे? उम्र के शख्स थे।

1930 में न्यूयार्क टाइम्स में प्रकाशित एक खबर के मुताबिक, चीन की चेंगडू यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर वू चुंग-चीएह ने 1827 में ली चिंग को उनकी 150वीं वर्षगांठ। जबकि साल 1877 में उनकी 200वीं वर्षगांठ के मौके पर शुभकामनाएं दी थीं।

बताया जाता है कि ली चिंग प्रख्यात

चाइनीज हर्बलिस्ट, मार्शल आर्टिस्ट और सलाहकार थे, जिन्हें सबसे अधिक उम्र तक जीवित रहने के लिए जाना जाता है। माना जाता है कि ली चिंग महज 10 साल की उम्र से ही हर्बल मेडिसिन का बिजनेस करने लगे थे। उन्हें हर्बल के साथ-साथ मार्शल आर्ट्स में भी महारथ हासिल थी। बता दें कि ली 71 साल की उम्र में मार्शल आर्ट्स ट्रेनर के तौर पर चीन की सेना में शामिल हुए थे। कहा जाता है कि ली चिंग ने 24 शादियां की थीं। जिनसे उन्हें 200 से अधिक बच्चे थे।

ऐसा कहा जाता है कि ली ने अपनी जिंदगी के शुरुआती 100 साल तक लिंग्जी, गोजी बेरी, जींसेंग, वू और गोडू कोला जैसी जड़ी-बूटियों को इकट्ठा किया और उन्हें बेचा। उसके बाद अपनी जिंदगी के अगले 40 साल सिर्फ जड़ी बूटियों के सहारे गुजारे। वो कई तरह की जड़ी-बूटियों के साथ-साथ चावल से बनी शराब को भोजन के रूप में लेते थे।

लोगों का कहना है कि ली चिंग की लंबी उम्र के पीछे का रहस्य लंबी नींद लेना था। वे खूब सोया करते थे। यही नहीं कबूतर की तरह बिना आलस चलते थे, कछुए की तरह आराम से बैठते थे और अपने दिल को हमेशा शांत रखते थे। इसके अलावा वो व्यायाम और डाइट का भी बहुत ध्यान रखते थे। ली खुद ही मन और तन की शांति को लंबी उम्र तक जीने का सबसे ब?ा कारण मानते थे।

एक मच्छर की वजह से शख्स को कराने पड़े 30 ऑपरेशन, काटनी पड़ी उंगलियां

मच्छर बहुत छोटा होता है लेकिन इसकी वजह से लोगों को कई गंभीर बीमारियां हो जाती हैं। कई बार किसी खास किस्म के मच्छर की एक बाइट भी लोगों को मौत के मुंह तक ले जाती है। दुनिया में कई लोगों की मौत मच्छरों की वजह से होती है। मच्छर की वजह से एक शख्स मौत के मुंह तक चला गया था। मच्छरों से होने वाली तमाम बीमारियों के बारे में आपने सुना होगा लेकिन आपने इतने खतरनाक मच्छर के बारे में सुना है, जिसके काटने की वजह से किसी शख्स को ऑपरेशन तक कराना पड़ा। ऐसा एक शख्स के साथ हुआ। दरअसल, एक खास किस्म के मच्छर ने एक शख्स को काट लिया था। इसके बाद शख्स की हालत ऐसी हो गई कि उसे 30 ऑपरेशन कराने के लिए मजबूर होना पड़ा। वह शख्स मच्छर के काटने की वजह से मौत के मुंह तक में चला गया था। वह शख्स करीब 4 हफ्ते तक कोमा में रहा। दरअसल, जर्मनी के रहने वाले सेबेशियन रॉट्सचक को एशियन टाइगर प्रजाति के मच्छ ने काटा और उन्हें करीब-करीब मौत के मुंह तक पहुंचा दिया। दरअसल, रोडरमार्क में रहने वाले 27 साल के सेबेशियन रॉट्सचक को एशियन टाइगर प्रजाति के मच्छर ने काट लिया था, जिससे उसके खून में जहर फैल गया। डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक मच्छर के काटने से शख्स को इंफेक्शन हो गया। इसके बाद शख्स के लिवर, किडनी, हार्ट और फेफड़े ने काम करना बंद दिया। मच्छर के काटने के बाद शख्स को अपने बाएं जांघ पर त्वचा का प्रत्यारोपण भी करना पड़ा। पहले तो उस शख्स को फ्लू जैसे लक्षण थे और वह बीमार रहने लगा। इसके बाद उसकी हालत खराब होने लगी। वह न तो खाना खा पाता था और न ही बिस्तर से उठ पाता था। दरअसल, शख्स की बांए जांघ पर सेराटिया नाम के बैक्टीरिया ने अटैक किया और आधी जांघ खा गया। इसके बाद डॉक्टर्स को समझ आ गया था कि चुका था कि ये सारे लक्षण एशियन टाइगर मच्छर के काटने की वजह से हो रहे हैं। इसके बाद डॉक्टर्स ने उस शख्स के कुल 30 ऑपरेशन किए। उसके पैर की दो उंगलियां भी काटनी पड़ गईं। वह शख्स करीब 4 हफ्ते तक कोमा में रहा। अब शख्स सबको यही सलाह देता है कि वक्त पर डॉक्टर के पास जाना ही इस खतरनाक इंफेक्शन का इलाज है। मच्छर का छोटा सा डंक आपकी ज़िंदगी पर भारी पड़ सकता है।

गोमती रिवर फ्रंट घोटाला

अखिलेश के करीब आते ही शिवपाल पर सरकार की निगाहें टेढ़ी, सीबीआई कर सकती है पूछताछ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी लोकसभा का उपचुनाव भाजपा और सपा के लिये प्रतिष्ठा का सवाल बना हुआ है। अखिलेश के नजदीक जाते ही शिवपाल सिंह यादव पर योगी सरकार ने नजरें तिरछी कर ली हैं। पहले उनकी सुरक्षा में कटौती और गोमती रिवर फ्रंट घोटाले में जांच की आंच उन तक पहुंच गयी है। योगी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में गोमती रिवर फ्रंट घोटाले की न्यायिक जांच कराई थी। इसमें भारी घपले की पुष्टि होने के बाद मामला सीबीआई के हवाले कर दिया गया था। सीबीआई कई लोगों की इस मामले में गिरफ्तारी कर चुकी है। वहीं अब तत्कालीन सिंचाई मंत्री शिवपाल यादव और दो आईएएस अफसर उसकी जांच के दायरे में आ गये हैं।

सीबीआई इस मामले में इनसे पूछताछ की तैयारी में है। उसने सरकार से नियमानुसार इसकी इजाजत मांगी है, जिससे वह अपनी जांच आगे बढ़ा सके। इसके बाद योगी सरकार ने सिंचाई विभाग से संबंधित रिकार्ड तलब किया है, इसके आधार पर सीबीआई की पूछताछ के मामले में फैसला किया जाएगा।

घपला सामने आने पर मामला सीबीआई के हवाले

योगी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में मामले की न्यायिक जांच कराई थी। इसमें भारी घपले की पुष्टि होने के बाद मामला सीबीआई के हवाले कर दिया गया था। सीबीआई कई लोगों की इस मामले में गिरफ्तारी कर चुकी है। वहीं अब तत्कालीन सिंचाई मंत्री शिवपाल यादव और दो आईएएस अफसर उसकी जांच के दायरे में आ गये हैं। जांच एजेंसी इनसे पूछताछ करना चाहती है, जिससे मामले में नये तथ्य सामने आ सकें।

इन तथ्यों की होगी पड़ताल

बताया जा रहा है कि जिन दो आईएएस अफसरों को प्रोजेक्ट की मॉनीटरिंग की जिम्मेदारी दी गई थी, उन्होंने टेंडर की शर्तों में बदलाव के लिए मौखिक या लिखित रूप से कोई आदेश तो नहीं दिया, इसकी पड़ताल की जाएगी। इसके साथ ही शिवपाल यादव की भूमिका को लेकर भी पता लगाया जा रहा है कि प्रोजेक्ट में इंजीनियरों को अतिरिक्त चार्ज देने में उनकी क्या भूमिका थी। बिना टेंडर काम देने या गुपचुप ढंग से टेंडर की शर्तें बदले जाने में भी उनकी भूमिका की पड़ताल हो रही है। इसके बाद इस पर सीबीआई को लेकर फैसला किया जाएगा।

अखिलेश के ड्रीम प्रोजेक्ट पर भ्रष्टाचार की काली छाया

गोमती रिवर फ्रंट अखिलेश यादव का ड्रीम प्रोजेक्ट था। यह घोटाला 1438 करोड़ का माना जा रहा। 2017 में योगी सरकार आने के बाद गोमती रिवरफ्रंट घोटाले की जांच शुरू की गई थी। प्रारंभिक जांच के बाद इस मामले को सीबीआई के हवाले कर दिया गया। 30 नवंबर 2017 को सीबीआई ने पहली एफआईआर दर्ज की गई थी। इसमें सिंचाई विभाग के 16 अभियंताओं समेत 189 लोगों को आरोपी बनाया गया, जिसमें पब्लिक सर्वेंट और प्राइवेट लोग शामिल हैं। आरोप है कि गोमती रिवर चैनलाइजेशन प्रोजेक्ट और गोमती रिवर फ्रंट डेवेलपमेंट में सिंचाई विभाग की तरफ से अनियमितता बरती गई थी। टेंडर देने के लिए नियमों को ताक पर रख दिया गया। अभियंताओं ने निजी व्यक्तियों, फर्मों और उनकी कंपनियों से मिलीभगत कर फर्मों के फर्जी दस्तावेज तैयार कराए। ठेकों के लिए विज्ञापन या सूचनाएं नहीं दीं, ताकि अपनों को ठेके दिए जा सकें।

मध्य प्रदेश में भारत जोड़ो यात्रा का सातवां दिन

सांवेर से शुरू होकर उज्जैन के निनोरा पहुंची राहुल की यात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उज्जैन। मध्य प्रदेश में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का आज सातवां दिन है। मंगलवार सुबह उनकी यात्रा सांवेर से शुरू होकर उज्जैन के करीब निनोरा में यथार्थ फ्यूचरस्टिक एकेडमी में विश्राम के लिए रुकी है। इसके बाद दोपहर में फिर जैन तीर्थ तपोभूमि के लिए बढ़ेगी। यात्रा को देखते हुए इंदौर रोड पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। ट्रैफिक को देवास रोड की ओर डायवर्ट किया गया है। राहुल गांधी के स्वागत के लिए सड़क के दोनों ओर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जमावड़ा लगा हुआ है। यात्रा के दौरान 200 पंडितों ने राहुल का सम्मान किया।

तपोभूमि में राहुल गांधी भगवान महावीर के दर्शन करने के बाद आचार्य प्रज्ञा सागर जी महाराज से मिलेंगे और यहां जैन समाज द्वारा उनका नागरिक अभिनंदन किया जाएगा। इसके पश्चात राहुल गांधी द्वारा तपोभूमि परिसर में बने कीर्ति स्तंभ का लोकार्पण किया जाएगा।

सपा प्रवक्ता की सीएम योगी पर आपत्तिजनक टिप्पणी

सपा चाहती तो आपको सूली पर चढ़ा देती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में तीन सीटों पर हो रहे उपचुनाव के बीच बयानबाजी का दौर अब और तेज होता जा रहा है। इसी क्रम में एक समाजवादी पार्टी नेता ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। सपा नेता अमीक जामेई की ये टिप्पणी गोरखपुर दंगे से जुड़ी हुई है। जिसमें उन्होंने सीएम योगी को सूली पर चढ़ाने की बात कही है।

सपा नेता अमीक जामेई वर्तमान में पार्टी प्रवक्ता हैं। उन्होंने गोरखपुर दंगे की याद दिलाते हुए ये टिप्पणी की है। सपा नेता ने कहा, सीएम योगी गोरखपुर दंगे का समय याद कीजिए। समाजवादी पार्टी चाहती, तो आपको सूली पर चढ़ा देती। सपा प्रवक्ता का ये बयान रामपुर के पूर्व विधायक आजम खां को लेकर हुए एक सवाल पर आया है।

सपा नेता ने कहा, आजम खां जैसे बड़े नेता के साथ जिस तरह से योगी आदित्यनाथ निजी तौर एक दुश्मनी निभा रहे हैं, अगर समाजवादी पार्टी भी वैसा ही करती, तो उन्हें सूली पर चढ़ा देती।

आजम खां का बयान

दरअसल, बीते कुछ दिनों से रामपुर उपचुनाव के बीच सपा के दिग्गज नेता आजम खां का दर्द भरा बयान काफी चर्चा में रहा है। उन्होंने अपने बयान में रोते हुए कहा, मैरी मौत चाहते हो तो मार लो मुझे। मुझे यहां गोली मार दो। खुदा की कसम वो मौत मेरी जिंदगी की तकलीफों से सस्ती होगी। तुम्हें मालूम है, हम जुल्म के कितने पहाड़ सह रहे हैं। उन्होंने कहा आगे कहा, ये जलसा नहीं है, तुमसे इंसाफ लेने आया हूं। तुमसे मौत मांगने आया हूं, इस जिन्दगी से मैं थक गया हूं। खुदकुशी हराम है इसलिए जिंदा हूं। आप मेरे साथ धोखा मत करना, मेरे पास बहुत वक्त है भी नहीं और जान लो अच्छी तरह भेड़िया तुम्हारे दरवाजे पर खड़ा है। अगर वे तुम्हारे घर के अंदर दाखिल हो गया तो अपनी इज्जत की हिफाजत नहीं कर सकोगे।

संगमनगरी पहुंचे आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

- शंकराचार्य आश्रम में आराधना महोत्सव का करेंगे शुभारंभ
- आरएसएस कार्यालय की बढ़ाई गई सुरक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक डॉ. मोहन भागवत आज मंगलवार को संगमनगरी प्रयागराज पहुंच गए हैं। सुबह करीब आठ बजे स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस से प्रयागराज पहुंचे और यहां से सीधे सिविल लाइंस स्थित आरएसएस के कार्यालय आनंदा आश्रम पहुंच गए। उनके आगमन को देखते हुए प्रयागराज जंक्शन और संघ कार्यालय के आस पास की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

संघ प्रमुख दोपहर दो बजे तक संघ कार्यालय पर रहेंगे फिर से यहां से सीधे अलोपीबाग स्थित शंकराचार्य आश्रम पहुंचेंगे। यहां पर ज्योतिषपीठ के पीठोद्धारक ब्रह्मलीन सरस्वती के 150वें जन्मोत्सव के तहत आयोजित होने वाले आराधना महोत्सव में हिस्सा लेंगे और इसका शुभारंभ करेंगे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती के संयोजन में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम 8 दिसंबर तक चलेगा।

एकदिनी दौरे पर रहेंगे संघ प्रमुख

दरअसल, डॉ. मोहन भागवत अक्टूबर में 10 दिन के लिए प्रयागराज प्रवास पर थे। वह गौहनिया के वात्सल्य परिसर में स्थित सेठ जयपुरिया स्कूल में आयोजित होने वाले संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में हिस्सा लेने के लिए आए थे। 12 अक्टूबर से 22 अक्टूबर तक वह यहीं पर प्रवास पर रहे। इसमें देश भर से 300 से ज्यादा संघ के पदाधिकारी भी शामिल थे। इस बार संघ प्रमुख का एक दिन का दौरा है। रात्रि विश्राम वह संघ के कार्यालय पर ही करेंगे। माना जा रहा है कि इस दौरान वह संघ के पदाधिकारियों के साथ अनौपचारिक बैठक भी कर सकते हैं। संघ कार्यालय पर सिक्योरिटी बढ़ा दी गई है। दूसरे दिन बुधवार को वह छिवकी रेलवे स्टेशन से संघमित्रा एक्सप्रेस से चंद्रपुर स्टेशन के लिए रवाना हो जाएंगे।

क्या करोड़ों की डील के कारण नहीं टूट रहा लक्ष्मी मार्केट! कौन है भूमाफिया तारा सिंह विष्ट और बाफिला के पीछे!

» तारा सिंह विष्ट और बाफिला की अवैध सम्पत्तियों को न तोड़कर अफसर कर रहे हैं सीएम योगी को बदनाम

» योगी के साथ अपनी तस्वीरें दिखाकर अफसरों को रौब में लेता है तारा सिंह विष्ट

» पुलिस को करोड़ों रुपये की घूस की चर्चा इसलिये एलडीए के अवैध निर्माण को तोड़ने की औपचारिकता भरे पत्र पर पुलिस बल नहीं मिलता

चेतन गुप्ता

लखनऊ। भूमाफिया दिलीप सिंह बाफिला और तारा सिंह बिष्ट पर लखनऊ विकास प्राधिकरण और पुलिस इस कदर मेहरबान है कि अवैध रूप से बने लक्ष्मी मार्केट को अभी तक ध्वस्त नहीं किया जा सका। धार्मिक आयोजन की आड़ में ध्वस्तीकरण दस्ता बैरंग लौट गया और एलडीए के अफसर एक दूसरे का मुंह ताकते रह गये।

दिलीप सिंह बाफिला ने लक्ष्मी मार्केट के पास करीब 3000 वर्गफीट क्षेत्र में अवैध रूप से कामर्शियल निर्माण किया है। एलडीए के विहित न्यायालय ने इसके ध्वस्तीकरण के आदेश दिये हैं। इस पर भूमाफिया बाफिला ने मंडलायुक्त के न्यायालय में अपील की थी जो खारिज हो चुकी है। इसके बाद प्राधिकरण ने सोमवार को अवैध निर्माण गिराने की नोटिस दी थी। लेकिन भूमाफिया को एलडीए में बैठे उसके सिंडीकेट के लोगों ने पहले ही सूचना दे दी। जिस पर बाफिला ने एक योजना के तहत विवादित स्थान पर धार्मिक आयोजन शुरू करा दिया। इसी तरह पहले भूमाफिया तारा सिंह विष्ट ने भी धार्मिक आयोजन की आड़ में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को स्थगित करा दिया था।

आरोप है कि बाफिला ने कई आईएएस और आईपीएस अफसरों को जमीनें गिफ्ट की हैं। इसी के चलते कोई अफसर व अधिकारी उनसे लड़ाई मोल नहीं लेना चाहता। मंडलायुक्त रोशन जैकब के आदेश तक दरकिनार कर दिए गए। हकीकत यह है कि गोमतीनगर विस्तार स्थित लक्ष्मी मार्केट गिराए जाने की कार्रवाई करने की हिम्मत कोई नहीं दिखा रहा है। बल्कि अधिकारी व अफसर मौके पर जाकर खानापूर्ति कर रहे हैं ताकि लगे कि प्रशासनिक कार्रवाई जारी है। जबकि अंदरखाने लक्ष्मी मार्केट न तोड़ने के लिए करोड़ों की डील हुई है।

यही नहीं, एलडीए यजदान बिल्डर के मामले में भी हाईकोर्ट के आदेशों की अनदेखी की गई। इस अवैध बिल्डिंग को तोड़ने के मामले में किसान यूनियन से वार्ता तो की, पर उनकी बात सुनी नहीं गई। बताया जा रहा है कि गोमतीनगर विस्तार स्थित लक्ष्मी मार्केट नहीं तोड़ा जा रहा, बल्कि अधिकारी और अफसर इस कार्रवाई को मैनेज करने के साथ कॉम्प्लेक्स को बचाने में जुटे हैं। इसमें बड़ी डील चल रही है। दरअसल, कुछ दिन पहले मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने गोमतीनगर विस्तार स्थित लक्ष्मी मार्केट और भूमाफिया दिलीप सिंह बाफिला के अवैध कॉम्प्लेक्स को ध्वस्त होने से रोकने की अपील खारिज कर दी है। उन्होंने एलडीए के ध्वस्तीकरण आदेश को सही ठहराते हुए अवैध निर्माण गिराने का आदेश दिया। भू-माफिया दिलीप सिंह बाफिला ने गोमतीनगर विस्तार में अवैध ढंग से दुकानें और कॉप्लेक्स बनवा ली हैं। एलडीए ने इसका ध्वस्तीकरण का आदेश पारित किया था। विरोध में बाफिला ने कमिश्नर कोर्ट में अपील की थी।

कमिश्नर ने अपने आदेश में लिखा है कि बाफिला की बिल्डिंग भू-उपयोग के विपरीत बनी है। भू-उपयोग आवासीय है, लेकिन इसमें वर्तमान में भूतल, प्रथम तल, द्वितीय तल का कॉम्प्लेक्स बना है। मौके पर दुकानों के बड़े-बड़े बोर्ड भी लगे हैं। कमिश्नर ने उसकी अपील आधारहीन होने से निरस्त कर दी। आदेश की प्रति प्राधिकरण को भेज दी गयी थी। ताकि प्राधिकरण इसे ध्वस्त कराए। इसके अलावा तारा सिंह बिष्ट ने भी अवैध तरीके से गोमती नगर विस्तार में लक्ष्मी मार्केट बना रखा है। कमिश्नर ने तारा सिंह बिष्ट की भी अपील खारिज कर दी थी। बता दें कि दिलीप सिंह बाफिला अपनी हिमालयन सोसायटी के नाम पर सरकारी व किसानों की जमीनों पर कब्जा करके प्लॉटिंग करता है। 2015 में गोमतीनगर पुलिस ने उसे गिरफ्तार करके जेल भेजा था।

बाफिला और बिष्ट के एक इशारे पर खोल दिये जाते हैं सील हुए अवैध निर्माण

नवंबर 2019 में गोमती नगर विस्तार के सेक्टर एक में दि हिमालयन सुपर हॉस्पिटल के नाम से आरक्षित जमीन का इस्तेमाल दिलीप सिंह बाफिला मैरिज लॉन के तौर पर कर रहा था। अवैध तरीके से निर्माण व इस्तेमाल करने पर एलडीए ने इसे सील कर दिया था। बेटे की शादी के मौके पर बाफिला के कहने पर एलडीए ने मैरिज लॉन की सील खोल दी थी। हालांकि बाद में विहित प्राधिकारी पीसी पांडेय के निर्देश पर इसे दोबारा से सील कर दिया गया था।

सीएम योगी के साथ तारासिंह विष्ट

महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के साथ तारासिंह विष्ट

4PM लखनऊ PAGE 8 बुधवार, 23 नवम्बर, 2022

क्या लक्ष्मी मार्केट न तोड़ने के मामले में चल रही करोड़ों की डील!

» भूमाफिया दिलीप सिंह बाफिला पर एलडीए के अफसरों की मेहरबानी के चलते नहीं हो रही कारंवाई

» भूमाफिया पैसों के दम पर कई मामलों को करा चुका है रफा-दफा

एलडीए में बाफिला का है रूतबा

जब बाफिला के इशारे पर खोल दी थी मैरिज लॉन की सील

अवैध रूप से बनाया गया लक्ष्मी मार्केट

भूमाफिया दिलीप सिंहबाफिला।

बाफिला और बिष्ट के रुतबे के आगे बौने साबित हो रहे एलडीए अफसर

पैसे के दम और एलडीए के अफसरों व कर्मियों की मिलीभगत से भू-माफिया दिलीप सिंह बाफिला और तारा सिंह बिष्ट ने राजधानी लखनऊ में अरबों रुपये की सरकारी जमीन पर कब्जा कर रखा है। एलडीए में उसका रूतबा यहां तक पहुंच गया था कि वह सीधे अर्जन विभाग में घुसकर गोपनीय फाइलों से छेड़छाड़ करता और कर्मचारी उसके सामने हाथ बांधे खड़े रहते। बाफिला पर दर्जन भर से अधिक मुकदमे दर्ज हैं लेकिन मजाल उसके खिलाफ किसी अधिकारी ने कोई कड़ी कार्रवाई की हो। वह पैसे के बल पर अब तक कई मामलों को रफा-दफा भी करा चुका है। दिलीप सिंह बाफिला हिमालयन सहकारी आवास समिति का चेयरमैन भी रह चुका है। उस पर सरकारी सहित किसानों की जमीन कब्जाने के दर्जन भर से अधिक मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं। हालांकि उसने पैसे के बल पर कई मामले खत्म करवा दिए हैं।

“बाफिला और बिष्ट के अवैध निर्माण को गिराने की पूरी तैयारी है। कल पुलिस फोर्स नहीं मिल पायी थी जिस वजह से कार्रवाई को अंजाम नहीं दिया जा सका। ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर से बात कर फोर्स मांगी जायेगी। - डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी, उपाध्यक्ष, एलडीए

“प्रकरण की जानकारी नहीं है। एलडीए अफसरों से बात कर अवैध निर्माण पर सख्त कार्रवाई करायी जायेगी। - नितिन रमेश गोकर्ण प्रमुख सचिव, आवास

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।